कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली द्वारा दिनांक 5 जून, 2018 को प्रेमांजली महिला विकास संस्था, बरेली के सहयोग से ग्राम पूर्णापुर विकासखण्ड बिथरी चैनपुर, बरेली में ''विश्व पर्यावरण दिवस'' का अयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिये पर्यावरण गोष्ठी एवं फसल व पशु विज्ञान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के श्री राकेश पाण्डे, विषय विशेषज्ञ ने धान की खेती एवं फसल अवशेष प्रबन्धन के द्वारा पर्यावरण सुधार एवं संकर नेपियर घास की खेती विषय पर जानकारी दी। डा.वी.बी. चतुर्वेदी, प्रधान वैज्ञानिक, पशुपोषण विज्ञान ने पशुओं को संतुलित आहार बनाने के बारे में बताया। आपने दाने में मिनरल मिक्चर विशेषकर नमक व कैल्शियम के महत्व के बारे में बताया। डा. एस. महमूद, प्रधान वैज्ञानिक, पशु पुरूत्पादन विभाग ने पशुओं में बाॅझपन की समस्या, बार-बार गर्भाधान व पशु ब्याने के समय होने वाली बीमारियों व उसके समाधान के बारे में बताया। डा. रीना मुखर्जी, प्रधान वैज्ञानिक, पशु औषधी विभाग ने पर्यावरण का पशु स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर प्रकाश डाला। डा. ब्रजपाल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, प्रभरी कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा पर्यावरण जागरूकता के लिये पेड़-पौधें, फल बाग-बगीचों को लगाने पर बल दिया। आपने प्लास्टिक के उपयोग पर चर्चा की। आपने फसल अवशेष जलाने के दुष्परिणामों के बारे, गाॅवों की स्वच्छता के बारे में भी बताया। इस अवसर पर कृषक एवं कृषक महिलाओां को लीची, कटहल, कुंदु, जामुन के पौधे वितरित किये गयेे। इस अवसर पर पशुओ के लिये वर्ष भार हरा चारा उपलब्ध कराने हेतु बहुवर्षीय चारा नेपियर की कटिंग का वितरण भी किया गया, ताकि कृषक अपने खेतों में नेपियर की खेती कर सके।

इस अवसर कुल 125 कृषकों (40 महिलायें व 85 कृषक) ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रेमाजंली महिला विकास संस्था, बरेली के भी पदाधिकारी श्रीमती शालिनी सिंह व श्री हृदयेश यादव ने भी विचार-व्यक्त किये। कृषि विज्ञान केन्द्र के श्री रंजीत सिंह एवं प्रसार शिक्षा विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. राम सिंह सुमन भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।